BBYCT-133

सत्रीय कार्य पुस्तिका

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

(बी.एससी.जी.)

पादप परिस्थितिकी एवं वर्गकी

1 जनवरी, 2022 से 31 दिसंबर, 2022 तक वैध

विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – **110 068**

(2022)

प्रिय विद्यार्थी,

आपके नामांकन के बाद हमने आपको स्नातक उपाधि कार्यक्रम की कार्यक्रम दर्षिका भेजी थी। उसमें सत्रीय कार्य से संबंधित जो भाग है, उसे कृपया पढ़ लें। जैसा कि आप जानते हैं, सतत मूल्यांकन के लिए 30% अंक निर्धारित किये गये हैं। इसके लिए आपको इस पाठ्यक्रम का **एक सत्रीय कार्य** हल करना होगा। यह सत्रीय कार्य इस पुस्तिका में शामिल है और इसके के कुल अंक 100 हैं। सत्रीय कार्य में उत्तीर्ण होने के लिए आपको 35% अंक चाहिए।

सत्रीय कार्य से संबंधित निर्देश

सत्रीय कार्य के प्रश्नों के उत्तर लिखने से पहले, निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।

1) अपनी TMA उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ पर सबसे ऊपर निम्नलिखित प्रारूप के अनुसार विवरण लिखें।

नामांकन संख्या : .....

नाम : .....

पता : .....

.....

.....

पाठ्यक्रम कोड : .....

पाठ्यक्रम शीर्षक : .....

सत्रीय कार्य कोड : .....

अध्ययन केंद्र : ..... दिनांक : .....

कार्य के सही और शीघ्र मूल्यांकन के लिए दिये गए प्रारूप का सही अनुसरण करें।

2) अपने उत्तर लिखने के लिए फुलस्कैप काग़ज़ का इस्तेमाल करें, जो बहुत पतला न हो।

3) प्रत्येक कागज़ पर बायें, ऊपर और नीचे 4 से.मी. जगह छोड़ें।

4) आपके उत्तर सटीक और अपने शब्दों में होने चाहिए।

5) इस सत्रीय कार्य को हल करें, और **संपूर्ण सत्रीय कार्य को वैध तिथि के भीतर अपने अध्ययन केंद्र में जमा कर दें।**

6) आपको अपनी सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिका दिए गए समय के भीतर जमा करनी है। **वैध तिथि के बाद** सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिका नहीं ली जायेगी।

हमारा सुझाव है कि आप अपने सत्रीय कार्य की एक प्रति अपने पास सुरक्षित रखें।

7) यह सत्रीय कार्य **01 जनवरी 2022 से 31 दिसम्बर, 2022 तक वैध** है। यदि आप इस सत्रीय कार्य में उत्तीर्ण नहीं हो पाते या इसे दिसम्बर, 2022 से पहले जमा नहीं कर पाते तो फिर आपको **2023** का सत्रीय कार्य करना होगा और कार्यक्रम दर्षिका में दिए गए निर्देशों के अनुसार इसे जमा करना होगा।

8) यदि आप इस सत्रीय कार्य को जमा नहीं करेंगे तो **आप इस पाठ्यक्रम का सत्रांत परीक्षा फार्म जमा नहीं कर सकेंगे।**

हमारी शुभकामानाएं आपके साथ हैं।

सत्रीय कार्य
पादप परिस्थितिकी एवं वर्गकी

पाठ्यक्रम कोड : BBYCT-133
सत्रीय कार्य कोड: BBYCT-133/TMA/2022
कुल अंक : 100

नोट : सभी प्रश्न कीजिए। हर प्रश्न के आगे अंक दिए गए हैं।

1. a) एक शब्द में उत्तर दीजिए। (3)

   i) हरे पादप जो खाद्य का पहला पोषी स्तर बनाते हैं।

   ii) वह अवस्था जब समुदाय साम्यावस्था में पहुंच जाते हैं।

   iii) वे जीव जिनको परभक्षी द्वारा खा लिया जाता है।

   b) निम्नलिखित को परिभाषित कीजिए। (3)

   i) बायोम/जीवोम

   ii) नेट प्राथमिक उत्पादकता

   iii) जनसंख्या

   c) निम्नलिखित का उचित मिलान कीजिए (4)

	कॉलम A	**कॉलम B**
i)	जलीय पादप	1. किसी जीव के वर्गीकरण की एक श्रेणी
ii)	सिनेकोलोजी	2. द्वि-पदनाम पद्धति
iii)	टैक्सोन/वर्गक	3. हाइड्रोसियर/जलक्रमक
iv)	लिनियस	4. जनसंख्या/समुदाय

2. a) सुनामांकित चित्र की सहायता से मृदा प्राचल का वर्णन कीजिए। (5)

   b) किसी पारिस्थितिक तंत्र के प्रमुख संघटकों को सूचीबद्ध कीजिए। पारिस्थितिक तंत्र के कार्य करने में इन संघटको के महत्व का वर्णन कीजिए। (5)

3. a) खाद्य श्रृंखला क्या होती है? इसके विभिन्न प्रकारों का उदाहरण सहित विस्तृत विवरण दीजिए। (5)

   b) सुनामांकित चित्र की सहायता से पारिस्थितिक तंत्र के विभिन्न संघटकों में ऊर्जा प्रवाह का वर्णन कीजिए। (5)

4. पारिस्थितिक अनुक्रमण क्या है? मरूस्थली समुदाय का उदाहरण देते हुए इस परिघटना को समझाइए। (10)

5. मरूद्भिदों में दिखाई देने वाले अनुकूलनों का उदाहरणों और सुनामांकित चित्रों की सहायता से वर्णन कीजिए। (10)

6. भारत के प्रमुख पादप भूगोलीय क्षेत्रों का वर्णन कीजिए। (10)

7. a) सुनामांकित चित्र की सहायता से जल चक्र का वर्णन कीजिए। (5)

   b) एल्फा और ओमेगा वर्गिकी क्या हैं? (5)

8. a) वर्गीकरण की विभिन्न पद्धतियां कौन सी हैं? बेन्थम एवं हुकर के वर्गीकरण की प्रमुख विशेषताओं का संक्षिप्त वर्णन कीजिए। (5)

   b) क्लैडोग्राम क्या है? वर्गिकीय अध्ययनों में इसके महत्व को समझाइए। (5)

9. a) सांरिव्यकीय वर्गिकी के अनुप्रयोगों को बताइए। (5)

   b) विश्व के वनस्पति उद्यानों पर एक टिप्पणी लिखिए। (5)

10. निम्नलिखित पर लघु टिप्पणियां लिखिए : (2×5=10)

    i) जैवविविधता के हॉटस्पॉट

    ii) स्थानिकता/एन्डेमिस्म

    iii) विषमपर्णता

    iv) पीरिओडिकल्स/आवधिक पत्रिकाएं

    v) वर्गिकीय अध्ययनों में कुंजियों का महत्व